# राष्ट्रीय सेवा योजना
# विज्ञान संकाय
# जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

---

# वार्षिक प्रगति रिपोर्ट

## वार्षिक प्रगति रिपोर्ट

## (1.4.2017 to 31.3.2018)

| क्र. सं. | दिनांक | कार्यक्रम |
|---|---|---|
| 1. | 20.04.2017 | परीक्षा के दौरान रक्तदान करने पर स्वयं सेवकों का सम्मान |
| 2. | 04.06.2017 | पर्यावरण चेतना रैली का आयोजन |
| 3. | 05.06.2017 से 06.06.2017 | विश्व पर्यावरण दिवस पर दो दिवसीय संगोष्ठी |
| 4. | 21.06.2017 | योग दिवस पर कार्यक्रम |
| 5. | 05.08.2017 | वृक्षारोपण कार्यक्रम |
| 6. | 08.08.2017 | पर्यावरण प्रदूषण व निवारण कार्यशाला |
| 7. | 13.08.2017 | एक दिवसीय पंजीयन शिविर |
| 8. | 10.09.2017 | स्वच्छता पखवाड़ा के तहत् एक दिवसीय शिविर (राजकीय उम्मेद अस्पताल में स्वच्छता अभियान) |
| 9. | 11.09.2017 | प्रधानमंत्री का उद्‌बोधन ''मन की बात'' का विडियों कॉन्फ्रेंसिंग के तहत् कार्यक्रम |
| 10. | 17.09.2017 | एक दिवसीय विशेष अभियान (प्रधानमंत्री के जन्म दिवस पर स्वच्छता अभियान) |
| 11. | 24.09.2017 | राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर कार्यक्रम |
| 12. | 25.09.2017 | पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी पर रक्तदान शिविर का आयोजन |
| 13. | 25.09.2017 | प्री. आर. डी. कैम्प हेतु स्वयं सेवकों का चयन शिविर |
| 14. | 09.10.2017 | एक दिवसीय स्वच्छता शिविर |
| 15. | 12.01.2018 से 16.01.2018 | राष्ट्रीय युवा महोत्सव कार्यक्रम |
| 16. | 21.01.2018 से 27.01.2018 | विज्ञान संकाय में सात दिवसीय विशेष शिविर |

## परीक्षा के दौरान रक्तदान करने पर स्वयं सेवकों का सम्मान

## 20.04.2017

राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों से प्रभावित होकर स्वयं सेवकों ने समाज सेवा का उत्कर्ष उदाहरण पेश किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के दो स्वयं सेवकों सुखराम जाणी व लोकेश सारण दिनांक 20 अप्रेल 2017 की बी. एस. सी. अंतिम वर्ष की परीक्षा से पहली रात को पढ़ाई बीच में छोड़कर रक्तदान किया और देर रात घर पहुँचने के बाद सुबह परीक्षा दी। परीक्षा की पहली रात राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक सुखराम जाणी के पास एक व्यक्ति का फोन आया और कहा कि उनका परिचित डेंगू होने के कारण एक निजी अस्पताल में भर्ती है व प्लेटलेट्स के लिए ओ–पॉजिटीव ब्लड की जरूरत है, इस पर वह पढ़ाई बीच में छोड़कर रक्तदान करने निजी ब्लड बैंक गए, वहां पता चला कि एक अन्य व्यक्ति को भी डेंगू है व उसे एबी–पॉजिटीव ब्लड की जरूरत है तब उसने राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्य स्वयं सेवक लोकेश सारण को ब्लड बैंक बुलाया तथा दोनों ने एक साथ रक्तदान किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई ने दोनों स्वयं सेवकों के इस कार्य को प्रेरणा दायक बताया। प्रो. विश्नोई ने बताया कि स्वयं सेवक सुखराम जाणी ने अब तक नौ बार व लोकेश सारण ने पांच बार रक्तदान किया हैं। परीक्षा से ठीक पहले रक्तदान कर डेंगू मरीजों की जान बचाने वाले राष्ट्रीय सेवा योजना के इन दोनों स्वयं सेवकों को कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि दोनों स्वयं सेवकों ने विश्वविद्यालय का नाम ऊंचा किया है तथा सेवा के क्षेत्र में मिसाल कायम की हैं। दोनों स्वयं सेवकों को माला पहनाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई, कुलसचिव बी. एस. सांदू, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के. आर. पटेल, डॉ. प्रवीण गहलोत आदि उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर, जोधपुर शुक्रवार 21 अप्रैल, 2017

जज्बा जिंदगी बचाने का | जेएनवीयू का एक छात्र नौ बार तो दूसरा पांच बार कर चुका रक्तदान

**सुबह फाइनल ईयर का पेपर था, डेंगू पीड़ितों की जान बचाने रात को रक्तदान करने पहुंचे जेएनवीयू के दो एनएसएस कार्यकर्ता**

एजुकेशन रिपोर्टर | जोधपुर

जेएनवीयू के दो एनएसएस कार्यकर्ताओं ने डेंगू पीड़ितों की जान बचाने के लिए परीक्षा से पहले रात को पढ़ाई बीच में छोड़ रक्तदान किया और देर रात घर पहुंचने के बाद सुबह एग्जाम दिया। जेएनवीयू की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सुखराम जाणी और लोकेश सारण बीएससी फाइनल के छात्र हैं। सुखराम ने बताया कि बुधवार को परीक्षा का अंतिम पेपर था। मंगलवार को परीक्षा की तैयारी करने के दौरान रात 10 बजे गुड़ामालानी निवासी एक व्यक्ति का फोन आया और कहा कि उनका [illegible]

परीक्षा से पहले रात में रक्तदान करने पहुंचे एनएसएस के छात्र सुखराम व लोकेश।

अस्पताल में भर्ती है और प्लेटलेट्स के लिए ओ पॉजिटिव ब्लड की जरूरत है। इस पर वह पढ़ाई बीच में छोड़ रक्तदान करने एक निजी बैंक गए। वहां पता चला कि केरू निवासी डेंगू के एक अन्य मरीज को भी एबी पॉजिटिव ब्लड की जरूरत है तब अपने दोस्त लोकेश सारण को ब्लड बैंक बुलाया तथा दोनों ने एक साथ रक्तदान किया। एनएसएस समन्वयक प्रो. जैताराम बिश्नोई ने दोनों स्वयंसेवकों के इस कार्य को प्रेरणादायक बताया। सुखराम रेड डोनर्स क्लब से जुड़े हैं तथा फेसबुक व वाट्सएप के माध्यम से भी युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक कर रहे हैं। सुखराम ने अब तक नौ बार व [illegible]

छात्रों का सम्मान

जेएनवीयू के केन्द्रीय कार्यालय में छात्रों को सम्मानित करते कुलपति।

जोधपुर @ पत्रिका. परीक्षा से ऐन पहले रक्तदान करके डेंगू मरीजों की सहायता करने वाले जेएनवीयू की राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों स्वयंसेवकों सुखराम जाणी और लोकेश सारण को कुलपति प्रो. आरपी सिंह द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रो सिंह ने कहा कि दोनों स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय का नाम ऊंचा किया है तथा समाज सेवा के क्षेत्र में मिसाल कायम की है। दोनों स्वयंसेवकों का माला पहनाकर और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। गौरतलब है कि सुखराम जाणी और लोकेश सारण विज्ञान संकाय के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र हैं। 19 अप्रेल को फाइनल ईयर के अंतिम पेपर से पहले रात्रि में इन्होंने दो डेंगू मरीजों को प्लेटलेट्स देकर उनकी जान बचाई थी।

## पर्यावरण चेतना रैली का आयोजन

## 04.06.2017

विश्व पर्यावरण दिवस के पूर्व दिवस 4 जून 2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं जम्भेशवर शोध पीठ के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण का संदेश देने के लिए स्वयं सेवकों ने पर्यावरण चेतना रैली निकाली। रैली को ऊन विकास बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के चेयरमेंन एवं पूर्व सांसद जसवंत सिंह विश्नोई ने जालोरी गेट पर हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

रैली में स्वयं सेवक पैदल मार्च करते हुए पर्यावरण बचाने के लिए पर्यावरण बचाओ–पेड़ लगाओं के गगनभेदी नारों का उद्घोष करते हुए जालोरी गेट, पुरी तिराहा, सोजती गेट, घंटाघर, घंटाघर से पुनः सोजती गेट, विश्वविद्यालय के पुराना परिसर, रातानाड़ा होते हुए विश्नोई धर्मशाला पहुँचे। वहा पर रैली को जसवंत सिंह विश्नोई, कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह, समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई आदि ने संबोधित कर पर्यावरण बचाने में स्वयं सेवकों को आगे आने का आह्वान किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रवीण गहलोत ने पर्यावरण रैली का नेतृत्व किया व व्यवस्था संभाली।

समन्वयक प्रो. विश्नोई ने बताया कि विश्नोई धर्मशाला से स्वयं सेवकों का एक दल साइकिल रैली के रूप में खेजड़ली रवाना हुए। कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। यह रैली यहां से 25 कि.मी. दूर पर्यावरण की रक्षार्थ अमृतादेवी विश्नोई के नेतृत्व में शहीद हुए 363 लोगों की स्मृति में बने राष्ट्रीय पर्यावरण स्मारक गाँव खेजड़ली पहुँची। वहां पर्यावरण का संदेश देने हेतु वाद–विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

## विश्व पर्यावरण दिवस पर दो दिवसीय संगोष्ठी
## 05.06.2017 से 06.06.2017

पर्यावरण दिवस 5 जून 2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं जम्भेशवर शोध पीठ के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण हेतु दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी में करिबन 500 पर्यावरण प्रेमीयों ने भाग लिया। जिनमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, छात्र–छात्राएं व समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। संगोष्ठी का उद्घाटन माननीय पूर्व सांसद जसवंत सिंह विश्नोई ने दीप प्रज्जवलित कर की। उद्घाटन सत्र में रक्षा प्रयोगशाला के पूर्व निदेशक डॉ. राम गोपाल ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण की महत्ता को रेखांकित किया। दो दिवसीय संगोष्ठी में कुल 6 सत्र हुए जिनमें करिबन 25 वक्ताओं ने अपने शोध–पत्र व पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न आयामों पर चर्चा की। संगोष्ठी के समापन सत्र में राजस्थान सरकार के वन व पर्यावरण मंत्री श्री सुखराम विश्नोई ने अपने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी के समापन अवसर पर गुरू जम्भेश्वर शोध पीठ के निदेशक प्रो. जेताराम विश्नोई ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. प्रवीण गहलोत ने किया। जबकि संगोष्ठी की व्यवस्था राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारियों व स्वयं सेवकों ने संभाली।

की वर्तमान चुनौतियाँ :
जांभोजी के सिद्धान्त एवं समाधान
दिनांक 5–6 जून, 2017
ओडिटोरियम एम.बी.एम. अभियांत्रिकी संकाय
आयोजक
पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ
जोधपुर

ओडिटोरियम एम.बी.एम. अभियांत्रिकी संकाय
आयोजक
पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ
विश्वविद्यालय, जोधपुर

गुरु जांभोजी के सिद्धान्त एवं समाधान
दिनांक 5–6 जून, 2017
स्थान :- ओडिटोरियम एम.बी.एम. अभियांत्रिकी संकाय
आयोजक
पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ
व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण
संरक्षण शोधपीठ

पर्यावरण की वर्तमान चुनौतियाँ :
गुरु जांभोजी के सिद्धान्त एवं समाधान
दिनांक 5–6 जून, 2017
स्थान :- ओडिटोरियम एम.बी.एम. अभियांत्रिकी संकाय
आयोजक
गुरु जम्भेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोधपीठ
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

# <u>योग दिवस पर कार्यक्रम</u>
## <u>21.6.2017</u>

तृतीय अंतरर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2017 के पूर्व दिवस 20 जून को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं योग केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में योग चेतना रैली का आयोजन किया गया। रैली को समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई, कार्यक्रम अधिकारी प्रो. बीना भाटिया, डॉ. के. आर. पटेल व योग विभाग के निदेशक डॉ. बी. एल. दायमा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली में छात्र–छात्राएं पैदल मार्च करते हुए विश्वविद्यालय के पुराना परिसर से रातानाड़ा होते हुए सोजती गेट पहुँचे तथा वहां से पुनः पुराना परिसर पहुँचे। अंतरर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े स्वयं सेवकों ने विश्वविद्यालय परिवार के सैकड़ों सदस्यों के साथ पुराना परिसर में योगाभ्यास किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला प्रमुख पूनाराम चौधरी, अध्यक्ष कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह व विशिष्ट अतिथि सिंडिकेट सदस्य प्रो. ए. एल. मीणा थे। इस कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. पी. के. शर्मा, कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. डी. सी. जैन, वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता प्रो. पी. के. भण्डारी, कार्यवाहक कुलसचिव प्रो. पी. के. शर्मा, समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई, सभी कार्यक्रम अधिकारी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने मिलकर योगाभ्यास किया।

## जेएनवीयू में जागरूकता रैली

जेएनवीयू योग विभाग की ओर से पुराना परिसर में बुधवार को योग दिवस समारोह आयोजित होगा। मंगलवार को योग जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। योग विभाग के निदेशक बीएल दायमा ने बताया की योग जागरूकता रैली में योगा, एनएसएस, शारीरिक विभाग के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया गया। जिसमें छात्र नेता भूपेन्द्र सिंह सांकड़ा के नेतृत्व शारीरिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने रैली का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक जैताराम विश्नोई, डॉ. सुमित्रा दाधीच, के आर पटेल अंजू ,सुमन यादव, कमला विश्नोई आदि लोग मौजूद रहे।

## जेएनवीयू| निशुल्क योग सिखाने वालों का किया सम्मान

जेएनवीयू के खेल मैदान में आयोजित योग कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. आरपी सिंह, विशिष्ट अतिथि जिला प्रमुख पूनाराम चौधरी व डॉ. बीएल दायमा, डायरेक्टर पूनम बावा थे। प्रवक्ता भेरूसिंह भाटी चाबा ने बताया की रावल मल्लिनाथ योग शिक्षण संस्थान के शिक्षक भूपेंद्रसिंह सांकड़ा को जिला प्रमुख और कुलपति ने सम्मानित किया।

**सोमानी कॉलेज|** सोमानी कॉलेज ग्राउंड पर महापौर घनश्याम ओझा की मौजूदगी में योग किया। शिविर प्रभारी एडीईओ अशोक विश्नोई ने बताया कि सुबह 6:50 से 8:05 बजे तक योग विशेषज्ञ ईश्वर देवानी व ज्योति गुर्जर के निर्देशन में स्टूडेंट्स व क्षेत्रवासियों ने अभ्यास किया। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक श्यामसुंदर शर्मा, महानगर कार्यवाह प्रो. रिछपालसिंह, एसोसिएट प्रोफेसर हरिसिंह राजपुरोहित, शिविर सहप्रभारी डॉ. प्रमोद आदि मौजूद थे।

**जीडी मेमोरियल कॉलेज|** जीडी मेमोरियल कॉलेज की ओर से गोमी देवी मेमोरियल कॉलेज ग्राउंड में प्रशिक्षक भूपेंद्रसिंह द्वारा योग करवाया गया। मुख्य अतिथि लूणी विधायक जोगाराम पटेल थे। कार्यक्रम में बासनी क्षेत्र के करीब पांच सौ लोगों ने हिस्सा लिया। महिलाओं के लिए योग प्रशिक्षक तेज कंवर जोधा, खुशबू, मोनिका और उनकी टीम ने अभ्यास करवाया।

## वृक्षारोपण कार्यक्रम

**05.08.2017**

विज्ञान संकाय में दिनांक 5 अगस्त 2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयं सेवकों ने डॉ. प्रवीण गहलोत, डॉ. शरद बिस्सा व डॉ. बी. आर. गाडी के नेतृत्व में वनस्पति विभाग में वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शरद बिस्सा ने वृक्षारोपण की महत्ता पर अपना उद्‌बोधन दिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. आर. गाडी ने पर्यावरण संरक्षण का आह्‌वान किया। डॉ. प्रवीण गहलोत ने वृक्षारोपण पश्चात् स्वयं सेवकों को पौधों की देखभाल करने, उन्हें नियमित रूप से सिंचित करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के अन्त में विभागाध्यक्ष ने सभी कार्यक्रम अधिकारी व स्वयं सेवकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

## <u>पर्यावरण प्रदूषण व निवारण कार्यशाला</u>

**<u>08.08.2017</u>**

विज्ञान संकाय के यूसिक सेंटर में 08.08.2017 को गुरू जम्भेश्वर पर्यावरण शोध पीठ संस्थान व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला वैश्विक पर्यावरण समस्याएं, चुनौतियाँ व प्रबंधन रणनीति विषय पर आयोजित की गई। कार्यशाला के मुख्य वक्ता मेकवान विश्वविद्यालय, कैनेडा के आचार्य डॉ. रोहित जिंदल व डॉ. ममता वर्धन थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरू जम्भेश्वर पर्यावरण शोध पीठ संस्थान व राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. जेतराम विश्नोई ने की। कार्यशाला में पर्यावरण संरक्षण के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। डॉ. रोहित जिंदल ने अमेरिका व कैनेडा के कई गाँवों के पर्यावरण संबंधित शोध का उदाहरण देकर समझाया की किस प्रकार से पर्यावरण संरक्षण किया जा सकता है तथा स्वयं सेवकों की पर्यावरण संरक्षण की भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में सामाजिक सरोकार से संबंधित समाज सेवकों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण गहलोत ने किया।

# पर्यावरण प्रदूषण सबसे बड़ी चुनौती

## जेएनवीयू में पर्यावरण विषय पर कार्यशाला आयोजित

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बासनी (जोधपुर). जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के न्यू कैम्पस स्थित यूसिक सेंटर में मंगलवार को गुरु जम्भेशवर पर्यावरण शोध पीठ संस्थान व राष्ट्रीय सेवा योजना (विवि इकाई) के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें वैश्विक पर्यावरणीय समस्याएं चुनौती और प्रबंधन रणनीति विषय पर आयोजित की गई। इस में मुख्य वक्ता मेकवान विवि कनाडा के सहायक आचार्य डॉ. रोहित जिंदल व डॉ. ममता वर्धन थे। अध्यक्षता गुरु जंम्भेशवर पर्यावरण शोध पीठ संस्थान व राष्ट्रीय सेवा योजना के निदेशक जैताराम विश्नोई ने की। कार्यक्रम में प्रोजेक्टर से पर्यावरण संरक्षण के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. रोहित जिन्दल ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण की गम्भीर समस्या है।

जेएनवीयू के न्यू कैम्पस में यूसिक सेंटर में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करती वक्ता।

मेगवन यूनिवर्सिटी कनाडा की डॉ. ममता वरधान ने अमरीका और कनाडा के कई गांवों के पर्यावरण संबंधित शोध का उदारण दिए। संस्थान निदेशक प्रो. जेताराम विश्नोई ने अतिथियों को श्रीफल भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. केआर गेनवा, प्रो. बीना भाटिया, डॉ. निधि सिंघल, डॉ. केआर मेघवाल, डॉ केआर पटेल, डॉ ओपी राजपुरोहित, डॉ. महेन्द्र सिंह, डॉ. अर्जुनलाल मीणा, डॉ. प्रवीण गहलोत, डॉ. बीआर गढ़ी भी कार्यक्रम में सम्मलित थे। भगवानाराम बिश्नोई उपाध्यक्ष अखिल भारतीय विश्नोई महासभा, आरएस चूनाराम बिश्नोई, विश्नोई टाइगर फोर्स अध्यक्ष रामपाल भवाद, रामनिवास बुधनगर, मुलाराम लोल, रामस्वरूप बुडिया व राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक विश्नोई समाज के गणमान्य व्यक्ति एवं वनस्पिति जन्तु विज्ञान और रसायन विज्ञान विभाग के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

## एक दिवसीय पंजीयन शिविर

**13.08.2017**

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सत्र 2017–18 के विद्यार्थियों को स्वयं सेवक बनाने हेतु एक दिवसीय शिविर का आयोजन दिनांक 13 अगस्त को किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के. आर. गेनवा ने नवागंतुक विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना का इतिहास, उद्देश्य, कार्यप्रणाली व राष्ट्र सेवा के बारे में बताया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के. आर. पटेल ने नए छात्रों को राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़ने की महत्ता को बताया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. आर. गाडी, डॉ. शरद बिस्सा, डॉ. अनुराग चौधरी,

डॉ. रामप्रकाश व डॉ. बी. आर. जयपाल ने नवागंतुक छात्रों का पंजीयन कर नई इकाईयों का गठन किया। कार्यक्रम के अगले सत्र में **स्वच्छ भारत–स्वस्थ भारत अभियान** हेतु जन जागृति लाने के लिए स्वयं सेवकों की भूमिका के बारे में डॉ. प्रवीण गहलोत ने अपना उद्बोधन दिया। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई विश्वविद्यालय स्वयं सेवकों द्वारा विगत 25 वर्षों के किए गए कार्यों के बारे में प्रकाश डाला। कार्यक्रम को विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के भूतपूर्व समन्वयक प्रो. चेनाराम चौधरी ने भी सम्बोधन किया।

## स्वच्छता पखवाड़ा के तहत् एक दिवसीय शिविर
## (राजकीय उम्मेद अस्पताल में स्वच्छता अभियान)
## 10.09.2017

राज्य सरकार की ओर से (10.09.2017) आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाईयों की ओर से 10 सितम्बर को स्वच्छता जागरूकता अभियान रैली निकाली गई। रैली से पहले विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई ने छात्रों का मार्गदर्शन कर स्वच्छता पखवाड़ा के उद्देश्य एवं श्रमदान की महत्ता बताई। स्वच्छता जागरूकता रैली में 200 से ज्यादा छात्रों ने भाग लेकर समाज में संदेश दिया। रैली के पश्चात् स्वयं सेवकों द्वारा माननीय कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह के निर्देशानुसार राजकीय उम्मेद अस्पताल में स्वच्छता अभियान के तहत् साफ–सफाई की। अस्पताल में व्याप्त गंदगी, प्लास्टिक, कागज इत्यादि को साफ किया। अस्पताल में उगी कंटीली झाड़ियों को भी

काटकर साफ किया गया। स्वच्छता अभियान में उम्मेद अस्पताल के शिशु विशेषज्ञ डॉ. मोहन मकवाना, डॉ. हरीश मोर्य व अन्य स्टाफ ने भी सहयोग किया। सफाई अभियान में विश्वविद्यालय के केयर टेकर ओमप्रकाश मुथा व सहायक अभियंता रवि कुमार पुरोहित ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के. आर. पटेल, डॉ. प्रवीण गहलोत, डॉ. शरद बिस्सा, प्रो. के. आर. गेनवा, डॉ. बी. आर. गाडी, डॉ. बी. आर. जयपाल, डॉ. अनुराग चौधरी, व डॉ. राम प्रकाश ने भी अपनी इकाई के स्वयं सेवकों के साथ साफ–सफाई का स्वच्छता अभियान में अपनी भूमिका निभाई।

**एनएसएस का एक दिवसीय शिविर आज**

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय, राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाइयों का संयुक्त एक दिवसीय शिविर रविवार को न्यू कैंपस स्थित यूसिक कार्यालय में आयोजित होगा। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. केआर पटेल ने बताया कि शिविर में विज्ञान संकाय के नए स्वयंसेवकों का पंजीकरण किया जाएगा।

**स्वयंसेवकों ने की सफाई**

: जोधपुर . जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय विज्ञान संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाइयों का संयुक्त शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. केआर गेनवा ने बताया कि इस मौके पर स्वयंसेवकों ने उम्मेद अस्पताल में साफ-सफाई की।

**.न. एस. एस. छात्रों ने राजकीय अस्पतालों को स्वच्छ बनाया**

**स्वच्छता अभियान : एनएसएस स्वयंसेवकों ने सरकारी अस्पतालों में की साफ-सफाई**

अस्पताल परिसर में सफाई कर लोगों को स्वच्छता के लिए किया जागरूक

सिटी रिपोर्टर | जोधपुर

जेएनवीयू की राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाइयों की ओर से रविवार को सरकारी अस्पतालों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। एनएसएस समन्वयक प्रो. जैताराम विश्नोई ने बताया कि रविवार सुबह 8 बजे से विश्वविद्यालय की अलग-अलग संकायों व केएन महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं सेविकाओं ने उम्मेद अस्पताल, पावटा सेटेलाइट अस्पताल, विश्वविद्यालय के पुराना परिसर स्थित डिस्पेंसरी में सफाई कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया।

प्रो. विश्नोई ने बताया कि विज्ञान संकाय के स्वयंसेवकों ने उम्मेद अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहन मकवाना एवं डॉ. हरीश मौर्य के निर्देशन में उम्मेद अस्पताल में सफाई कर कचरा हटाया। पावटा सेटेलाइट अस्पताल में डॉ. सोमेंद्र वर्मा एवं प्रो. विश्नोई के निर्देशन में केएन कॉलेज की स्वयंसेविकाओं ने सफाई करने के साथ कचरा हटाया। वाणिज्य एवं विधि संकाय के सभी कार्यक्रम अधिकारियों के निर्देशन में जेएनवीयू ओल्ड कैंपस स्थित डिस्पेंसरी व पुराना परिसर के मुख्य द्वार पर झाड़ियां हटाने के साथ पूरे क्षेत्र की सफाई की।

**छात्राओं ने रैली निकाल दिया स्वच्छता का संदेश** : केएन कॉलेज की स्वयंसेविकाओं ने सोजती गेट मोहनपुरा पुलिया होते हुए हाइकोर्ट से पावटा सेटेलाइट अस्पताल तक रैली निकाल लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। प्रो. विश्नोई ने बताया कि इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. बीना भाटिया, प्रो. केआर गेंवा, डॉ. केआर पटेल, डॉ. भानाराम गडी, डॉ. प्रवीण गहलोत, डॉ. आरपी सारण, डॉ. पंकज नामा, डॉ. आरएल सैनी, डॉ. आरडी पंकज, डॉ. गजेसिंह, डॉ. एमएल वसीटा, डॉ. पीएम मीणा, डॉ. अनिल वर्मा, डॉ. निधि सिंदल, डॉ. केआर मेघवाल, रवि पुरोहित व ओमप्रकाश मूथा ने सेवाएं दीं।

राजकीय अस्पतालों में स्वयंसेवकों ने सफाई की।

## <u>प्रधानमंत्री का उद्‌बोधन</u>
## <u>(मन की बात का विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के तहत् कार्यक्रम)</u>
## <u>11.09.2017</u>

विज्ञान संकाय में **11.09.2017** को प्रधानमंत्री द्वारा युवाओं के लिए आयोजित कार्यक्रम **मन की बात** का विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सभी स्वयं सेवकों को लाईव टैलिकास्ट दिखाया गया। प्रधानमंत्री का उद्‌बोधन सुनने हेतु कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी कार्यक्रम अधिकारी, विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी व तकनीकी अधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की सम्पूर्ण व्यवस्था में डॉ. प्रवीण गहलोत व डॉ. शरद बिस्सा ने अपना सहयोग प्रदान किया।

## एक दिवसीय विशेष अभियान
## (प्रधानमंत्री के जन्म दिवस पर स्वच्छता अभियान)

**17.09.2017**

विज्ञान संकाय में 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिवस पर स्वच्छता अभियान चलाया व सभी स्वयं सेवकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर स्वयं सेवकों द्वारा कक्षाएं, प्रयोगशाला, सार्वजनिक शौचालय, साईकल स्टैंड, हॉस्टल इत्यादि जगह की सफाई की गई तथा सभी छात्रों से परिसर को साफ रखने का आह्वान किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की अन्य इकाईयों द्वारा विज्ञान संकाय के मुख्य द्वार पर लगी स्व. श्री जय नारायण व्यास की प्रतिमा व संकाय में लगी स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के आस–पास उगी कंटीली झाड़ियों को काट कर साफ किया गया। स्वच्छता अभियान में डॉ. के. आर. पटेल, डॉ. प्रवीण गहलोत व डॉ. रामप्रकाश सारण ने एक दिवसीय स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया।

सफाई, संगोष्ठी, रक्तदान व पौधरोपण कर मनाया सेवा दिवस

## <u>राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर कार्यक्रम</u>

**<u>24.09.2017</u>**

विज्ञान संकाय में 24 सितम्बर, 2017 को एक दिवसीय शिविर के तहत् राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को पारितोषिक वितरण किए गए। इस अवसर पर स्वयं सेवकों को 25 सितम्बर को आयोजित होने वाले रक्तदान के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राम प्रकाश सारण ने अपने उद्बोधन में रक्तदान व समाज में व्याप्त भ्रांतियों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर स्वयं सेवकों से रक्तदान की अपील की। प्रो. जेताराम विश्नोई बताया कि एन. एस. एस. का अर्थ निस्वार्थ सेवा

भावना है क्योंकि जीवन का हर कार्य स्वार्थ की भावना के साथ नहीं किया जाता। व्यक्ति को अपने समाज व देश के लिए जरूरत पड़ने पर अपना योगदान देने के लिए पीछे नहीं हटना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण गहलोत ने किया।

## पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी पर रक्तदान शिविर का आयोजन 25.9.2017

25 सितम्बर को विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना की समस्त इकाईयों द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी समारोह पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. आर. पी. सिंह व राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर के क्षेत्रीय निदेशक श्री जे. बी. सिंह एवं समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई ने स्वयं सेवकों को अधिक से अधिक रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर माल्यार्पण कर की गई। डॉ. बी. आर. गाडी व डॉ. बी. आर. जयपाल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जीवनी पर प्रकाश डाला। शिविर में 73 स्वयं सेवकों ने रक्तदान किया जिसमें 20 छात्राएं भी सम्मिलित थी। छात्राओं ने सक्रिय रूप से इस नेक कार्य में भागीदारी निभाई तथा रक्तदान से होने वाले लाभों के बारे में सभी को अवगत कराया, साथ ही भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया। रक्त दान करने वाले स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। एन. एस. एस. प्रभारी डॉ. प्रवीण गहलोत, डॉ. के. आर. पटेल ने रक्तदान शिविर के पश्चात् सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जगह-जगह हुए विभिन्न कार्यक्रम...

## पंडित दीनदयाल जन्म शताब्दी समापन पर रक्तदान

एम्स में की स्वच्छता की प्रतिज्ञा

महाविद्यालय में किया 31 यूनिट रक्तदान

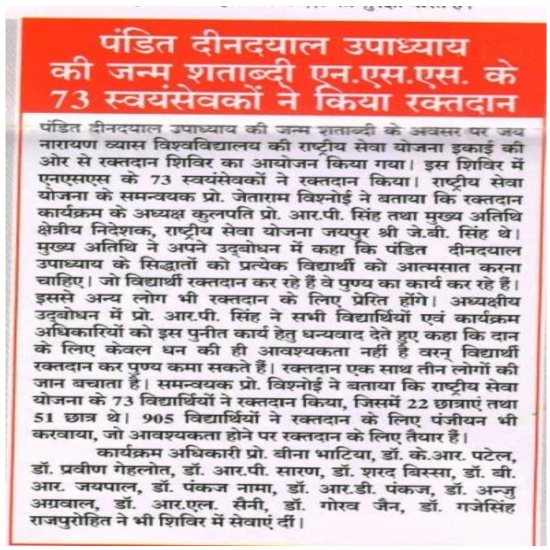

## पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी एन.एस.एस. के 73 स्वयंसेवकों ने किया रक्तदान

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी के अवसर पर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में एनएसएस के 73 स्वयंसेवकों ने रक्तदान किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई ने बताया कि रक्तदान कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति प्रो. आर.पी. सिंह तथा मुख्य अतिथि क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर श्री जे.बी. सिंह थे। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सिद्धांतों को प्रत्येक विद्यार्थी को आत्मसात करना चाहिए। जो विद्यार्थी रक्तदान कर रहे हैं वे पुण्य का कार्य कर रहे हैं। इससे अन्य लोग भी रक्तदान के लिए प्रेरित होंगे। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. आर.पी. सिंह ने सभी विद्यार्थियों एवं कार्यक्रम अधिकारियों को इस पुनीत कार्य हेतु धन्यवाद देते हुए कहा कि दान के लिए केवल धन की ही आवश्यकता नहीं है वरन् विद्यार्थी रक्तदान कर पुण्य कमा सकते हैं। रक्तदान एक साथ तीन लोगों की जान बचाता है। समन्वयक प्रो. विश्नोई ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के 73 विद्यार्थियों ने रक्तदान किया, जिसमें 22 छात्राएं तथा 51 छात्र थे। 905 विद्यार्थियों ने रक्तदान के लिए पंजीयन भी करवाया, जो आवश्यकता होने पर रक्तदान के लिए तैयार हैं।

कार्यक्रम अधिकारी प्रो. बीना भाटिया, डॉ. के.आर. पटेल, डॉ. प्रवीण गेहलोत, डॉ. आर.पी. सारण, डॉ. शरद बिस्सा, डॉ. बी. आर. जयपाल, डॉ. पंकज नामा, डॉ. आर.डी. पंकज, डॉ. अन्जु अग्रवाल, डॉ. आर.एल. सैनी, डॉ. गोरव जैन, डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने भी शिविर में सेवाएं दीं।

## प्री. आर. डी. कैम्प हेतु स्वयं सेवकों का चयन शिविर

**25.09.2017**

राजपथ, नई दिल्ली में 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के लिए विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशक श्री जे. बी. सिंह के निर्देशन में स्वयं सेवकों का वजन, ऊंचाई व शारीरिक सक्षमता के आधार पर स्वयं सेवकों का चयन किया गया। इस अवसर पर स्वयं सेवकों को परेड भी कराई गई। चयनीत स्वयं सेवक 25 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक हिसार (हरियाणा) में आयोजित प्री. आर. डी. कैम्प में भाग लेंगे तत्पश्चात्, पुनः चयनीत स्वयं सेवक गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण गहलोत ने किया। कार्यक्रम की व्यवस्था डॉ. के. आर. पटेल व डॉ. रामप्रकाश द्वारा की गई।

**एनएसएस स्वयंसेवक प्री आरडी शिविर के लिए हिसार रवाना**

नवज्योति/जोधपुर।

व्यास विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के जोधपुर सम्भाग के 10 स्वयंसेवक पूर्व गणतन्त्र दिवस परेड़ शिविर में भाग लेने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के लिए रवाना हुए।

राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो.जेताराम बिश्नोई ने बताया कि प्री. आर डी. केम्प चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार मे 25 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक आयोजित होने जा रहा है। इस प्री. आर. डी केम्प मे राजस्थान से व्यास वि. वि. जोधपुर एंव समबद्ध महाविद्यालयों से 10 स्वंयसेवकों का चयन हुआ है।

**इनका हुआ चयन**

प्रो. बिश्नोई ने बताया कि आदर्श महाविद्यालय जोधपुर, राजकीय बागड़ महाविद्यालय पाली, राजकीय कन्या महाविद्यालय बाड़मेर तथा राजकीय पी.जी. महाविद्यालय बाड़मेर से 5 स्वयं सेवकों का चयन हुआ है। जिसमें बालाराम, मदन गोपाल, नरेश, राधिका एवं लीला का चयन हुआ है।

**एनएसएस के स्वयंसेवकों ने गणतंत्र दिवस पूर्व परेड शिविर में लिया भाग**

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना का उतरी क्षेत्र पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2017 हरियाणा के हिसार में चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय में सम्पन्न हुआ। जिसमे जेएनवीयू के 10 सदस्य दल ने भाग लिया एनएसएस के समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई ने बताया कि इस शिविर में उत्तरी क्षेत्र के छह राज्यों पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल देश, जम्मू कश्मीर, दिल्ली और एक केन्द्र शासित देश चंडीगढ़ के 200 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस दल में जेएनवीयू के मदन सोलंकी, राधिका दास, लीला चौधरी, रेखा वैष्णव, जीतू चौधरी, ममता चौधरी, रेवंत कुमार, नरेश, वालाराम आदि शामिल थे।

## <u>एक दिवसीय स्वच्छता शिविर</u>

**<u>9-10-2017</u>**

रिक्तिया भैरूजी चौराहा स्थित वीर दुर्गादास राठौड़ मल्टीलेवल आरओबी पर एन.एस.एस स्वयंसेवक सुखराम जाणी के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के तहत् जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय नया परिसर और आदर्श महाविद्यालय के एन.एस.एस स्वयं सेवकों ने सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक दो किलोमीटर लंबे मल्टीलेवल आरओबी के हर कोने में सफाई कर शहरवासियों को स्वच्छता का संदेश दिया। इस मौके पर एन.एस.एस के समन्वयक प्रो. जैताराम विश्नोई ने स्वयंसेवकों को सामाजिक कार्या में बढ़–चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान सुनील सियाग, विष्णु गौड़, निर्मल

पटेल, रवि रॉयल, मुकेश उज्जवल, प्रकाश सिंवर, हेमसिंह, जीवणराम, चंद्रप्रकाश आदि स्वयंसेवकों ने सहयोग किया।

**स्वयंसेवकों ने सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया**

रिक्तिया भैरूजी चौराहा स्थित वीर दुर्गादास राठौड़ मल्टीलेवल आरओबी पर एनएसएस स्वयंसेवक सुखराम जाणी के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के तहत जेएनवीयू नया परिसर और आदर्श महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों ने सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक दो किलोमीटर लंबे मल्टीलेवल आरओबी के हर कोने में सफाई कर शहरवासियों को स्वच्छता का संदेश दिया। इस मौके पर एनएसएस के समन्वयक प्रो. जैताराम विश्नोई ने स्वयंसेवकों को सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान सुनील सियाग, विष्णु गौड़, निर्मल पटेल, रवि रॉयल, मुकेश उज्जवल, प्रकाश सिंवर, हेमसिंह, जीवणराम, चंद्रप्रकाश आदि स्वयंसेवकों ने सहयोग किया।

## राष्ट्रीय युवा महोत्सव कार्यक्रम

**(12-01-2018 से 16-01-2018)**

विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों के 10 छात्र क्रमशः प्रकाश सिंवर, विष्णु गौड़, सुनील, बालाराम, रामनिवास, निर्मल, पुष्पेन्द्र, मनीष, योगेन्द्र व श्रवण कुमार तथा 7 छात्राएं क्रमशः भाग्यश्री, मोनीका, कोमल, ममता, रेखा, सुमन व प्रेमी ने राष्ट्रीय सेवा महोत्सव में भाग लेने के लिए कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रवीण गहलोत के नेतृत्व में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोयडा, उत्तरप्रदेश गए। पाँच दिवसीय (12–16, जनवरी 2018) युवा महोत्सव की शुरूआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विडियों कॉन्फ्रेंसिंग से की। कार्यक्रम में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री आदित्यनाथ योगी व भारत के युवा मामलात व खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने भी युवाओं को संबोधित किया। पाँच दिवसीय युवा महोत्सव में देश के विभिन्न राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के लगभग 3000 युवाओं ने भाग लिया। युवा महोत्सव में स्वयं सेवकों ने विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक, योगा व खेलकूद गतिविधियों में भाग लिया। युवा महोत्सव में आकर्षण का केन्द्र यूथ पार्लियामेन्ट था। जिसमें विश्वविद्यालय के 4 स्वयं सेवकों ने भाग लेकर राजस्थान की विभिन्न समस्याओं को व उनके समाधान पर विचार विमर्श किया। स्वयं सेवकों ने बेरोजगारी व चिकित्सा सुविधा पर भी अपने विचार प्रस्तुत किए। युवा महोत्सव के समापन समारोह के पश्चात् खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने राजस्थान के स्वयं सेवकों से मुलाकात कर उनको खेलो इंडिया योजना से अवगत करवाया।

# युवा महोत्सव के लिए एनएसएस दल रवाना

जोधपुर जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के छात्र-छात्राएं (स्वयंसेवक) 12 जनवरी से शुरू होने वाले पांच दिवसीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव मे भाग लेने के लिए नोएडा स्थित गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के लिए रवाना हो गए है। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक प्रो. जैताराम बिश्नोई ने बताया कि युवा महोत्सव मे भाग लेने 10 छात्र व 7 छात्राएं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रवीण गहलोत के नेतृव में गए है। दल में छात्र प्रकाश सींवर, विष्णु गौड़, सुनील, बालाराम, रामनिवास, निर्मल, पुष्पेन्द्र, मनीष, योगेंद्र, श्रवण कुमार और छात्राएं भाग्यश्री, मोनिका, कोमल, ममता, रेखा, सुमन व प्रेमी शामिल है। कार्यक्रम अधिकारी खरताराम पटेल ने बताया कि स्वयंसेवक वहा पर होनी वाली विभिन्न शैक्षणिकक व सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेंगे।

# राष्ट्रीय युवा महोत्सव मे भाग लेकर एन. एस. एस. टीम लौटी

जोधपुर/नवज्योति।
भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नौएडा, उत्तर प्रदेश मे 22 वाँ राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2018 दिनांक 12-16 जनवरी को मनाया गया। युवा महोत्सव की शुरूआत प्रधानमंत्री के विडियो कान्फ्रेंसिंग से हुई। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक प्रो. जेताराम बिश्नोई ने बताया कि इस पांच दिवसीय कार्यक्रम मे जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के 10 छात्र व 7 छात्राए प्रकाश सीवर, विष्णु गौड़, सुनील सियाग, बालाराम, रामनिवास, निर्मल चौधरी, पुष्पेन्द्र डूडी, मनीष सांखला, योगेन्द्र सिंह, श्रवण कुमार व छात्राएं भाग्यश्री, मौनिका, कोमल, ममता, रेखा, सुमन व प्रेमी ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रवीण गहलोत के नेतत्व मे भाग लिया। प्रो. बिश्नोई ने बताया कि 5 दिवसीय कार्यक्रम मे विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम, योगा, वाद-विवाद प्रतियोगिता व विभिन्न खेलो की प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षक 'युथ पार्लीयामेंट' रहा। जिसमे राजस्थान के छात्र सांसद सुनील सियाग, मनीष सांखला व बालाराम थे।

किया जाएगा।

# 10 युवा पहुंचे यूथ पार्लियामेंट

जोधपुर @ पत्रिका. युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की ओर से सोमवार को नोएडा स्थित गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। इसमें देश भर आए दो हजार से अधिक युवाओं ने भाग लिया। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक व बीएससी फाइनल ईयर के विद्यार्थी सुनील सियाग ने यूथ पार्लियामेंट में भाग लिया। सुनील ने युवाओं के विकास और उनसे जुड़े मुद्दों पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए। पार्लियामेंट में राजस्थान के विभिन्न संस्थानों से दस युवाओं ने भाग लिया। इसमें आंचल गुप्ता, ऐश्वर्या, शलोनी, अंजलि जैन, गार्गी गुप्ता, राजवीर सिंह, हर्षित पारीक, शिवराज, शुभम राजपुरोहित शामिल थे। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. स्निग्धा शर्मा और डॉ. प्रवीण गहलोत ने टीम का नेतृत्व किया।

# <u>विज्ञान संकाय में सात दिवसीय विशेष शिविर</u>
## <u>(21.01.2018 से 27.01.2018)</u>

विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत् सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन दिनांक 21.01.2018 से 27.01.2018 को किया गया। विशेष शिविर की शुरूआत विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. जेताराम विश्नोई व विश्वविद्यालय के पूर्व सिंडिकेट सदस्य प्रो. चेनाराम चौधरी के मुख्य आतिथ्य में हुई। प्रो. चेनाराम चौधरी ने अपने उद्‌बोधन में स्वयं सेवकों को अनुशासन की परिभाषा को स्वयं सेवकों के संदर्भ में परिभाषित किया। प्रो. जेताराम विश्नोई ने स्वयं सेवकों के कर्तव्य व उनका समाज निर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला। विशेष शिविर के प्रथम दिन डॉ. के. आर. पटेल व डॉ. के. आर. गेनवा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण गहलोत ने किया।

शिविर के दूसरे दिन 22-1-2018 बसंत पंचमी होने के कारण कार्यक्रम की शुरूआत सांस्कृतिक सत्र से की गई जिसके तहत् माँ सरस्वती देवी की विशेष पूजा की गई व सरस्वती वंदना की प्रस्तुति हुई। दूसरे सत्र में डॉ. दिनेश गहलोत ने भारतीय संविधान पर प्रकाश डालते हुए स्वयं सेवकों को मूल अधिकार व मूल कर्तव्य के बारे में बताया।

कार्यक्रम के अंत में स्वयं सेवकों को प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण गहलोत ने किया।

सात दिवसीय विशेष शिविर के तिसरे दिन 23.01.2018 को विद्यार्थियों (स्वयं सेवकों) को योगा के माध्यम से स्वस्थ जीवन व निरोगी काया पर व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान में डॉ. शरद बिस्सा ने बताया की शरीर की उपापचयी प्रक्रिया को नियमन करके जीवन को निरोगी बनाया जा सकता हैं। उन्होनें योगा के प्रतिदिन महत्व पर प्रकाश डालते हुए शरीर के प्रति रक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने की बात कही। सह–आचार्य डॉ. खरताराम पटेल ने स्वच्छ भारत अभियान से भारत को विश्व में अग्रणी बनाने तथा दिन–प्रतिदिन जीवन में स्वच्छता के महत्व को प्रसंग के साथ समझाया। डॉ. प्रवीण गहलोत (कार्यक्रम अधिकारी) ने सड़क दुर्घटना में स्वयं सेवकों की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में बताया की फस्ट–एड तथा तत्काल सहायता से किस प्रकार जीवन हानी को बचाया जा सकता हैं। कार्यक्रम के इस विशेष सत्र को डॉ. भानाराम व डॉ. भवरूराम व डॉ. अनुराग चौधरी ने भी सम्बोधन किया व स्वयं सेवकों को अनुशासन के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान की सीख दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण गहलोत ने किया। कार्यक्रम के अन्त में सभी स्वयं सेवकों को अल्पाहार वितरण किए गए।

शिविर के चौथे दिन 24.01.2018 प्रथम सत्र में जोधपुर के सरस्वती नगर में सफाई अभियान चलाकर मोहल्ले की सफाई की गई। द्वितीय बौद्धिक सत्र में राजस्थान पुलिस सेवा के अधिकारी श्री नरेन्द्र चौधरी ने पुलिस सेवा व सामाजिक चुनौतियों पर अपना प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण गहलोत ने किया।

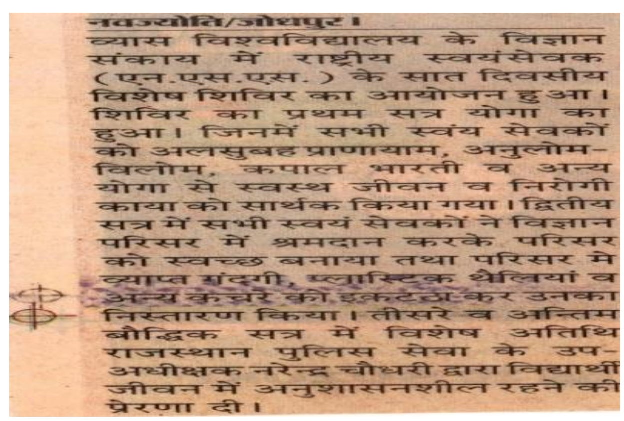
नवज्योति/जोधपुर। व्यास विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक (एन.एस.एस.) के सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन हुआ। शिविर का प्रथम सत्र योगा का हुआ। जिनमें सभी स्वंय सेवकों को अलसुबह प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, कपाल भारती व अन्य योगा से स्वस्थ जीवन व निरोगी काया को सार्थक किया गया। द्वितीय सत्र में सभी स्वयं सेवकों ने विज्ञान परिसर में श्रमदान करके परिसर को स्वच्छ बनाया तथा परिसर मे व्याप्त गंदगी, प्लास्टिक थैलियां व अन्य कचरे को इकट्ठा कर उनका निस्तारण किया। तीसरे व अन्तिम बौद्धिक सत्र में विशेष अतिथि राजस्थान पुलिस सेवा के उप-अधीक्षक नरेन्द्र चौधरी द्वारा विद्यार्थी जीवन में अनुशासनशील रहने की प्रेरणा दी।

# एनएसएस शिविर

जोधपुर. जयनारायण व्यास विवि के विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर के दौरान बुधवार को तीन सत्रों में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां संचालित की गईं। प्रथम सत्र योगा हुआ। द्वितीय सत्र में सभी स्वयंसेवकों ने विज्ञान परिसर में श्रमदान किया। अंतिम बौद्धिक सत्र में विशेष अतिथि उप अधीक्षक नरेंद्र चौधरी द्वारा विद्यार्थी जीवन मेंअनुशासन की बात कही। डॉ. केआर गेनवा ने बौद्धिक सत्र को सम्बोधित किया। डॉ. खरताराम पटेल, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रवीण गहलोत, डॉ. भानाराम, डॉ. शरद बिस्सा, डॉ. भंवरूराम, डॉ. रामप्रकाश व डॉ. अनुराग चौधरी मौजूद थे।

शिविर के पांचवे दिन दिनांक 25.1.2018 को प्रथम सत्र में स्वयं सेवकों को कार्डियो पल्मोनरी रिससीटेशन (सी.पी.आर) व हार्ट पंम्पिग का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के. आर. गेनवा व डॉ. खरताराम पटेल ने बताया की डॉ. सपूर्णनंद मेडिकल कॉलेज के पूर्व सह–आचार्य डॉ. राजेन्द्र तातेड़ ने सी. पी. आर तकनीक बताई। उन्होंने बताया कि अचानक कार्डियक अरेस्ट, पानी में डूबे व्यक्ति, करंट और दम घुटने पर पीड़ित व्यक्ति को जमीन पर लिटा कर सी. पी. आर प्रणाली के माध्यम से जान बचाई जा सकती हैं। सभी स्वयं सेवकों ने डमी मोडल पर सी. पी. आर तकनीक का अभ्यास भी किया।

शिविर के दूसरे सत्र में स्वयं सेवकों द्वारा विज्ञान संकाय में श्रम दान कर सफाई की गई। सड़क के किनारे उगी कंटीली झाड़ियों को साफ किया गया। श्रमदान में डॉ. रामप्रकाश सारण, डॉ. शरद बिस्सा, डॉ. भानाराम, डॉ. अनुराग चौधरी व डॉ. भवरूराम ने सहयोग प्रदान किया।

शिविर के तीसरे सत्र में स्वयं सेवकों को गणतंत्र दिवस व उसके महत्व को समझाया गया व सम्पूर्ण संविधान की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में स्वयं सेवकों को अल्पहार वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण गहलोत ने किया।

## एनएसएस शिविर में छात्रों ने किया योगा

जेएनवीयू विज्ञान संकाय में एनएसएस के सात दिवसीय शिविर में तीन सत्र आयोजित कर विभिन्न गतिविधियां करवाई। पहले सत्र में योगा में सभी स्वयंसेवकों को अलसुबह प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, कपालभारती व अन्य आसन करवाए। द्वितीय सत्र में विज्ञान परिसर में श्रमदान कर परिसर को स्वच्छ किया। तीसरे व अंतिम बौद्धिक सत्र में विशेष अतिथि पुलिस उप-अधीक्षक नरेंद्र चौधरी ने अनुशासित जीवन का महत्व बताया। बौद्धिक सत्र को आचार्य डॉ. केआर गेनवा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में सह-आचार्य डॉ. खरताराम पटेल, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रवीण गहलोत, डॉ. भानाराम, डॉ. शरद बिस्सा, डॉ. भंवरूराम, डॉ. रामप्रकाश व डॉ. अनुराग चौधरी उपस्थित थे। संचालन डॉ. प्रवीण गहलोत ने किया।

शिविर में छठे दिन 26 जनवरी (26.01.2018) को झंडा रोहण व राष्ट्रगान के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्वयं सेवकों ने अपने उद्बोधन भी दिए तथा द्वितीय सत्र में विश्वविद्यालय के प्रो. हेमंत शर्मा ने व्यक्तित्व विकास पर अपना उद्बोधन दिया।

विशेष शिविर के अंतिम दन 27.01.2018 को प्रथम सत्र में प्रो. किशोरी लाल रैगर द्वारा स्वयं सेवकों को योगाभ्यास करवाया गया। दूसरे सत्र में स्वयं सेवकों द्वारा मंच पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए।

सात दिवसीय विशेष शिविर के अंतिम सत्र समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर. पी. सिंह, कुलसचिव प्रोफेसर, पी. के. शर्मा, पूर्व सिंडिकेट सदस्य प्रोफेसर चेनाराम चौधरी, विश्वविद्यालय (एन.एस.एस.) समन्वयक प्रोफेसर जेताराम विश्नोई, छात्र संघ अध्यक्ष सुश्री कान्ता ग्वाला उपस्थित थे। माननीय कुलपति डॉ. आर. पी. सिंह ने अपने उद्बोधन में स्वयं सेवकों को सामाजिक सरोकार की सीख दी। उन्होंने अनुशासन में रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान करने के लिए आह्वन किया। कुलसचिव ने अपने उद्बोधन में व्यक्तित्व विकास पर प्रकाश डालने हुए सफलता हेतु लक्ष्य निर्धारण व लक्ष्य प्राप्ति तक साधना करने की सीख दी। एन. एस. एस. समन्वयक जेताराम विश्नोई ने भारत सरकार द्वारा प्रयोजित स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं, डीजीटल इंडिया इत्यादि कार्यक्रमों को समाज में जनचेतना लाने में (एन. एस. एस.) स्वयं सेवकों की भूमिका को बताया। कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य प्रो. के. आर. गेनवा, सहआचार्य डॉ. के. आर पटेल, डॉ. भानाराम, डॉ. भवरूराम, डॉ. शरद बिस्सा, डॉ. अनुराग चौधरी व डॉ. रामप्रकाश सारण उपस्थित थे। कार्यक्रम में कुलपति द्वारा स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में सभी स्वयं सेवकों को अल्पाहार करवाया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण गहलोत ने किया।

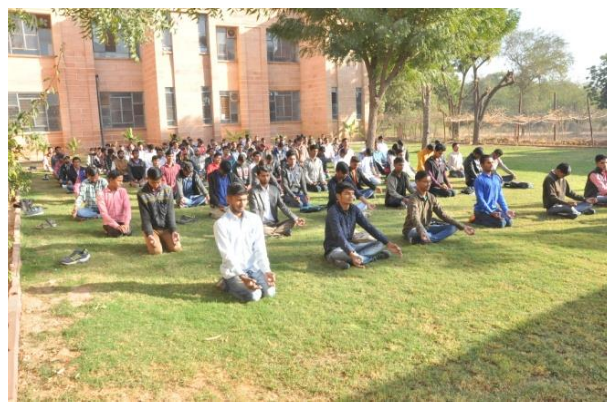

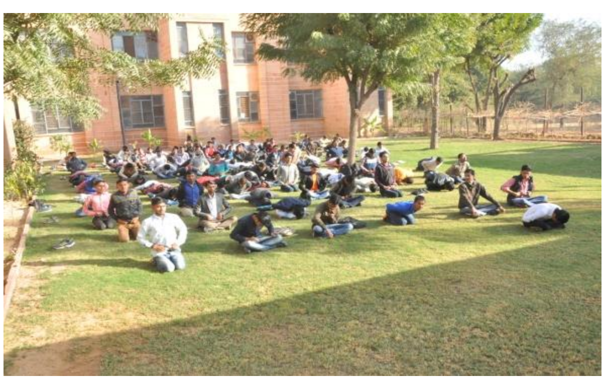

## विज्ञान सकांय में एन.एस.एस. का विशेष शिविर

जय नारायण व्यासविश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में राष्ट्रीय स्वंय सेवक (एन.एस.एस.) के सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसवेकों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियां करवाई गई। शिविर के प्रथम सत्र में योग क्रियाएं हुई जिनमें सभी स्वयंसेवकों को अलसुबह प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, कपाल भाती व अन्य योगिक क्रियाओं से स्वस्थ जीवन व निरोगी काया के महत्त्व को जीवन में करने का संकल्प दिलाया। द्वितीय सत्र में सभी स्वयंसेवकों ने विज्ञान परिसर में श्रमदान कर परिसर को स्वच्छ बनाया तथा परिसर में व्याप्त गंदगी, प्लास्टिक थैलियां व अन्य कचरे को इकट्ठा कर उनका निस्तारण किया। तीसरे व अन्तिम बौद्धिक सत्र में विशिष्ट अतिथि राजस्थान पुलिस सेवा के उप-अधीक्षक श्री नरेन्द्र चौधरी ने विद्यार्थी जीवन में अनुशासन के महत्त्व को बताया। उन्होंने अपने उदबोधन में कहा कि प्रतियोगिता के इस युग में सफलता का मूलमंत्र लक्ष्य प्राप्ति हेतु निरन्तर साधना है। डॉ. के. आर. गेनवा ने बौद्धिक सत्र को सम्बोधित करते हुए बताया की विद्यार्थी एन.एस.एस. के माध्यम से सच्चा राष्ट्र भक्त बन सकता है। स्वयंसेवकों का कार्य भी सैनिकों के समकक्ष है, सैनिक देश की सीमाओं की सुरक्षा करता है जबकि स्वयंसेवक कुरूतियों से समाज की सुरक्षा करता है। डॉ. खरताराम पटेल ने स्वयंसेवकों दिए जाने वाले प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रवीण गहलोत, डॉ. भानाराम, डॉ. शरद बिस्सा, डॉ. भवरूराम, डॉ. रामप्रकाश, डॉ. अनुराग चौधरी ने सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन डा. प्रवीण गहलोत ने किया।